



भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र
मोदीपुरम-250110, मेरठ (उ.प्र.)
ICAR-Central Potato Research Institute-Regional Station
Modipuram-250110, Meerut (UP)



डा. आर के सिंह

केंद्र अध्यक्ष

सेवा में

✓ समस्त संबन्धित अधिकारीगण

विषय : आलू कृषकों को समसामयिक सलाह

महोदय,

पत्रांक : 16-1/2023-24/4568

दिनांक : 16 जनवरी, 2024

17

आप से अनुरोध है, कि आप अपने स्तर पर उपलब्ध प्रचार-प्रसार के साधनों का प्रयोग करके किसान भाइयों निम्नवत् बिन्दुओं की सूचना दे।

1. इन दिनों खेतों की नमी बनाए रखने हेतु सिचाई कम अंतराल पर जरूर करे। क्योंकि पूरे उत्तर भारत में न्यूनतम तापमान बहुत कम रह रहा है।
2. कुछ क्षेत्रों में आलू की शीर्ष पतियों पर हल्का पीलापन हो रहा है, जोकि मौसम के साफ होने एव सूर्य की अच्छी धूप पड़ने से स्वतः ठीक हो जाएगा।
3. अंतिम सिचाई खुदाई के दस दिन पहले रोक दे।
4. भंडारण हेतु रखी जाने वाली फसल के पत्ते काटने के दस से पंद्रह दिन के पश्चात आलू की त्वचा अच्छी तरह से पकने पर ही खुदाई करें।
5. जिन किसान भाइयों ने आलू की फसल में अभी तक फफूंदनाशक दवा का पर्णाय छिड़काव नहीं किया है या जिनकी आलू की फसल में अभी पिछेता झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है, उन सभी किसान भाइयों को यह सलाह दी जाती है कि वे मैन्कोजेब/प्रोपीनेब/क्लोरोथैलॉनील युक्त फफूंदनाशक दवा का रोग सुग्राही किस्मों पर 0.2-0.25 प्रतिशत की दर से अर्थात् 2.0-2.5 किलोग्राम दवा 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर छिड़काव तुरन्त करें।
6. साथ ही साथ यह भी सलाह दी जाती है कि जिन खेतों में बीमारी प्रकट हो चुकी हो उनमें किसी भी फफूंदनाशक - साईमोक्सेनिल+ मैन्कोजेब का 3.0 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर (1000 लीटर पानी) की दर से अथवा फेनोमिडोन+ मैन्कोजेब का 3.0 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर (1000 लीटर पानी) की दर से अथवा डाईमैथोमार्फ 1.0 किग्रा.+ मैन्कोजेब 2.0 किग्रा. (कुल मिश्रण 3.0 किग्रा.) प्रति हैक्टेयर (1000 लीटर पानी) की दर से छिड़काव करें।
7. फफूंदनाशक को दस दिन के अन्तराल पर दोहराया जा सकता है। लेकिन बीमारी की तीव्रता के आधार पर इस अन्तराल को घटाया या बढ़ाया जा सकता है। किसान भाइयों को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि एक ही फफूंदनाशक का बार-बार छिड़काव ना करें।
8. कवकनाशी, कीटनाशी, उर्वरकों एवं अन्य रसायनों के टैंक मिश्रण का छिड़काव किसी विशेषज्ञ की देख-भाल में ही करें।

भवदीय

16/01/2024

(आर के सिंह)